साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 01 सितंबर से 07 सितंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 26 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com

पेज 04 में...
तय सीमा में नक्सलखात्मा...

पेज 12 में...
हाशिये में दिग्गज नेता

पेज 07 टीम इंडिया के मेंटर बनेंगे धोनी

वेंटिलेटर पर शहर की सांसें

मेट्रो सिटी मुंबई, दिल्ली की तरह कांक्रीट के ढेर में तब्दील हुआ रायपुर

मास्टर प्लान में ग्रीन जोन और हकीकत में हरियाली नदारद

गर्मी में ही नहीं ठंडी में भी रायपुर का तापमान अन्य जिलों से ज्यादा

नई कॉलोनियां, सड़कों, कॉम्प्लेक्स और बाजार के लिए हरियाली चढ़ी भेंट

कॉम्प्लेक्स, कॉलोनियां और बाजार निर्माण की प्रवृत्ति बनीं जानलेवा

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

राजधानी रायपुर की नई पीढ़ी के लिए सांसें भी सिमित मात्रा में मिलेगी। नगरीय निकायों की बदइंतजामी और बेफिक्री का ही आलम है की अब मेट्रो सिटी मुंबई, दिल्ली की तर्ज में कांक्रीट के ढेर में तब्दील हो गई है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि रायपुर की आब-ओ-हवा में इतना जहर घुल गया है कि राजधानी की सांसें वेंटिलेटर में है। एक वक्त था जब हमारे बुजुर्गों के जेहन में खूबसूरत, सब्जबाग रायपुर में फलदार वृक्षों की शीतल छांव, ठंढी हवाएं और विशुद्ध वातावरण की बेसाख्ता यादें थीं। अब रायपुर के वरिष्ठों को कंक्रीट के जंगल में तब्दील राजधानी और युवा पीढ़ी की चिंता सताने लगी है।

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर तेजी से विकास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि यह विकास हरियाली और जीवन के साथ संतुलित है या नहीं? कभी तालाबों, हरियाली और मैदानों के लिए पहचाना जाने वाला शहर आज कांक्रीट के ढेर में बदलता दिख रहा है। जहां-तहां कॉलोनियां, बहुमंजिली इमारतें और बाजार खड़े किए जा रहे हैं हरियाली की कीमत पर। यही चिंता हाल ही में चर्चा में आई, जब राजधानी से सालों तक विधायक, मंत्री रहे मौजूदा भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा-'रायपुर कांक्रीट के जंगल में ना खो जाए, इसके लिए समय रहते कदम उठाने होंगे। ये बयान शहर के सामने पैदा हो रही चुनौती को लेकर चिंता का संकेत है।

टाउन प्लानिंग कोलेप्स, हीट आइलैंड इफेक्ट का खतरा

शहर के टाउन प्लानर और विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि अगर अब भी शहर को नियंत्रित ढंग से नहीं बसाया गया तो आने वाले 10 सालों में रायपुर दिल्ली और मुंबई की तर्ज पर प्रदूषण और हॉट आइलैंड इफेक्ट का शिकार हो जाएगा। टाउन प्लानिंग एक्सपर्ट कहते हैं- 'रायपुर का विस्तार बहुत तेज है, लेकिन यह अनियोजित है। बिना सोचे-समझे हर जगह निर्माण हो रहा है। शहर के मास्टर प्लान की समीक्षा अब बेहद जरूरी है।'

एक नजर

- 25 लाख से ज्यादा जनसंख्या
- 30 लाख से ज्यादा वाहन संख्या
- तकरीबन 35 लाख एयर कंडीशन
- प्रदूषण और काला धुंआ उगलती फैक्ट्रियां
- गिनती के बैग-बगीचे, बचीखुची हरियाली
- निगम, फारेस्ट को नहीं पता वृक्षों की संख्या
- बेतरतीब बसाहट, अवैध कॉलोनियां बानी श्राप

घटती हरियाली सब्जबाग भी बंजर

रायपुर में पिछले एक दशक के दौरान हरियाली का क्षेत्रफल लगातार घटा है। शहर में अब गिने-चुने बड़े पार्क और कुछ सब्जबाग ही बचे हैं। मास्टर प्लान में दर्ज ग्रीन होम को भी धीरे-धीरे आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में तब्दील किया जा रहा है। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे मानते हैं कि शहर की योजना में हरियाली को प्राथमिकता नहीं मिल रही। वे कहते हैं, 'हर सरकारी जमीन को बाजार में बदल देने से लोगों की सांसे और भारी हो जाएंगी।

रायपुर का भविष्य फैसलों पर निर्भर

रायपुर का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम अभी क्या फैसला लेते हैं। अगर शहर ने हरियाली को संभाला नहीं तो आने वाले सांस लेना मुश्किल हो जाएगा। अगर योजनबद्ध तरीके से पौधों, पार्कों और हरित क्षेत्र का काम किया गया तो रायपुर न केवल रहने लायक रहेगा, बल्कि एक आदर्श स्मार्ट सिटी की पहचान भी बना सकेगा।

पेड़ नहीं लगाना चाहते पर छांव सबको चाहिए

ऑर्किटेक्ट एवं टाउन प्लानर प्रिया पॉल शर्मा ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण में हरियाली को नजरअंदाज करना, आने वाले समय के लिए काफी खतरनाक है। आजकल लोग पॉम जैसे ऑर्टिफिशियल पेड़ लगा रहे हैं, जबकि छांव देने वाले पेड़ों की जरूरत है। ब्यूटीफिकेशन वाले पेड़ लगाने से कोई फायदा नहीं होता। हर घर में छांव वाले पेड़ लगाने चाहिए। इसी तरह गमी से राहत पाने छतों पर टेरेस गार्डन विकसित किया जाना चाहिए। कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्सों में टेरेस गाँईन को अनिवार्य करना चाहिए। शहर में सड़कों के किनारे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना चाहिए। सड़क बनाने के लिए पेड़ तो काटते हैं, लेकिन बाद में नहीं लगाते। इसके अलावा कॉलोनियों में हरियाली के हिसाब से टैक्स छूट का भी प्रावधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबको छांव तो चाहिए, लेकिन पेड़ कोई नहीं लगाता। जो पेड़ लगाते हैं वे उसकी देखभाल नहीं करते।

बुजुर्गों को नई पीढ़ी की चिंता

सीनियर सिटीजन बताते हैं कि रायपुर की पहचान कभी चौड़ी सड़कों और हरियाली से होती थी। शहर के बुजुर्गों की टोलियां कहती है...'हमारे समय में सिविक सेंटर से लेकर तेलीबांधा तक पेड़ों की कतारें थीं। अब जहां पेड़ थे, वहां कांक्रीट की दीवारें खड़ी हो गई हैं। बच्चे खेलने के लिए मैदान ढूंढते रह जाते हैं। सप्रे स्कूल के पास मैदान था, उसे बर्बाद कर दिया गया।

हर साल वृक्षारोपण, लेकिन जिंदा कितने ?

नगर निगम और प्रशासन हर साल लाखों पौधे लगाने का दावा करता है। लेकिन सच्चाई यह है कि इन पौधों का संरक्षण बहुत कम हो पाता है। आकड़े बताते हैं कि लगाए गए पौधों में से 25-30 प्रतिशत से ज्यादा जीवित नहीं बचते। बाकी गर्मी, पानी की कमी और देखरेख के अभाव में सूख जाते हैं। इस पर पर्यावरणविद् डॉ. अर्चना तिवारी का कहना है- वृक्षारोपण केवल दिखावे के लिए नहीं होना चाहिए। पौधों को संरक्षित करने की जवाबदेही तय करनी होगी।

जापानी तकनीक मियावाकी है समाधान

शहर के बीचों बीच हरियाली बचाने और नए जंगल बनाने के लिए अब मियावाकी तकनीक जैसे आधुनिक उपाय किए जा सकते हैं। यह तकनीक जापान से आई है। इसकी मदद से बहुत कम जगह में घना जंगल तैयार किया जा सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर इसे शहर के खाली भूखंडों, सरकारी जमीनों और कॉलोनियों में अपनाया जाए ती रायपुर की हवा और तापमान को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है।

सांसद बृजमोहन की हिदायत के बाद कवायद

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की चेतावनी के बाद अब सवाल है कि प्रशासन और नगर निगम इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगे या नहीं? पर्यावरणविद् और टाउन प्लानर चाहते हैं कि शहर का मास्टर प्लान हरियाली के हिसाब से दोबारा तैयार किया जाए। इसके अलावा, हर कॉलोनी और बड़े प्रोजेक्ट में कम से कम 30-35 प्रतिशत हिस्से को हरित क्षेत्र घोषित करना जरूरी बनाया जाए।

चार गुना वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित

महापौर श्रीमती मीनल चौबे का कहना है कि राजधानी का तेजी से विकास हो रहा है। पिछले कुछ सालों में पेड़ घंटे जिससे पर्यावरण प्रभावित हुआ है। ऐसे में जिस अनुपात में शहरीकरण बढ़ा है. उससे चार गुना वृक्षारोपण का लक्षय है। महिलाएं वृक्ष लगाकर जियो टैग कर रही हैं। उन्हें आर्थिक मदद भी प्रदान की जा रही है। महापौर ने कहा कि नक्शा पास कराते समय वाटर हार्वेस्टिंग की तरह विभिन्न कॉलोनियों के निर्माण के दौरान ग्रीन बेल्ट दिखाना जरूरी है

'हसीन' ड्रग्स पैडलर के संपर्क में थे VIP और स्टूडेंट्स

रायपुर के 36 से ज्यादा नामजद; मुंबई-दिल्ली-पंजाब से आता था MDMA-हेरोइन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के हाई प्रोफाइल ड्रग तस्करी केस में रायपुर की एक इंटीरियर डिजाइनर युवती गिरफ्तार हुई है। युवती उस गिरोह का हिस्सा थी, जो क्लब, पब, फार्महाउस समेत अन्य जगहों पर होने वाली नाइट पार्टियों में ड्रग्स सप्लाई करता था। यह नशीला पदार्थ मुंबई, दिल्ली और पंजाब से लाया जाता था।

पुलिस ने एक हफ्ते पहले देवेंद्र नगर ओवरब्रिज के नीचे 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। जिनके पास से ड्रग्स (MDMA) जब्त हुआ था। उनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने नव्या मलिक (30) को मुंबई से अरेस्ट किया है। नव्या के संपर्क में कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी थे। पुलिस को 36 से ज्यादा लोगों का चैट भी मिला है। जानकारी के मुताबिक, 23 अगस्त को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने देवेन्द्र नगर ओवरब्रिज के नीचे एक कार में सवार 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया बताया। आरोपियों की तलाशी लेने पर ड्रग्स (MDMA) मिला।

26 दिनों में 44 तस्करों को पकड़ा

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि 4 अगस्त को पहली बार ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ था। पंजाब के तस्कर लवजीत सिंह और राजनांदगांव के सुवित श्रीवास्तव समेत 9 तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। उनके कब्जे से 1 करोड़ की ड्रग्स जब्त की गई। उसके बाद जांच आगे बढ़ी।

मुंबई से युवती की गिरफ्तारी

आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस कटोरा तालाब निवासी नव्या मलिक की तलाश कर रही थी। इस बीच उसका लोकेशन मुंबई मिला, जहां से पुलिस ने नव्या को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1 प्रतिबंधित नशीली टैबलेट, ड्रग्स सप्लाय का रैपर और 2 मोबाइल जब्त किया गया। पुलिस ने युवती के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

लड़कों ने उगला युवती का नाम

पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की, तो हरियाणा के हिसार में रहने वाला मोनू ने ड्रग्स को दिल्ली से रायपुर लाने की बात स्वीकार किया। फिर रायपुर में रहने वाले हर्ष आहूजा और दीप धनोरिया को उपलब्ध कराना बताया। इस दौरान हर्ष आहूजा और दीप धनोरिया ने नव्या मिलक की डिमांड पर ड्रग्स रायपुर लाना बताया।

शोरूम की लिफ्ट से गिरा युवक, GM के खिलाफ FIR

रायपुर के शोरूम में हुआ था हादसा, इलाज के दौरान युवक ने तोड़ा था दम

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर के सरोना के एक निजी शोरूम की लिफ्ट से गिरकर घायल हुए युवक की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने शोरूम के जनरल मैनेजर चंद्रजीत सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उन पर आरोप है कि लिफ्ट के चारों ओर सुरक्षा घेरा नहीं था। इस लापरवाही की वजह से घटना हुई है।

घटना रविवार, 3 अगस्त की शाम करीब 4 बजे की है। लिफ्ट से गिरने की वजह से 25 वर्षीय राज गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके दोनों पैर टूट गए थे और सिर पर भी गहरी चोट लगी थी। हादसे के बाद उसका पिछले 20 दिनों तक उसका इलाज रायपुर के निजी अस्पताल में चल रहा था। राज वेंटिलेटर पर था, जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी। वहीं इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। शोरूम में लिफ्ट से नीचे उतरते के वक्त युवक गिर गया। परिजनों ने शोरूम प्रबंधन को राज की मौत का जिम्मेदार बताया है।

शोरूम प्रबंधन ने परिजनों छुपाई जानकारी

परिजनों का आरोप है कि शोरूम प्रबंधन ने हादसे को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने जब सीसीटीवी फुटेज मांगा, तो पहले वीडियो दिखाने से इनकार कर दिया गया। बाद में जो वीडियो दिखाया गया, वह एडिट किया हुआ था। हादसे के बाद शोरूम प्रबंधन ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया था और उसके इलाज का खर्च भी कंपनी की ओर से उठाया जा रहा था। वहीं, प्रबंधन का कहना है कि उन्होंने थाने में साढ़े चार मिनट का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध करा दिया है।

नकाबपोश लुटेरों ने CISF जवान की स्कूटी लूटी

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में नकाबपोश लुटेरों ने CISF जवान को शिकार बनाया है। बदमाश ड्यूटी पर जा रहे जवान की स्कूटी लूटकर फरार हो गए। जवान ने सड़क पर गाय बैठे होने की वजह से स्कूटी स्लो की थी। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। यह मामला माना थाना इलाके का है। शांता ने बताया कि वह शारदा विहार कॉलोनी में किराया के मकान में रहता है। CISF में आरक्षक के पद पर तैनात है। 29 अगस्त की सुबह करीब 4 बजे वह ड्यूटी जाने के लिए अपने स्कूटी में निकला था। तभी VIP रेस्टोरेंट के आगे सड़क पर गए बैठी होने की वजह से उसने गाड़ी स्लो कर ली। इस दौरान पीछे से तीन लड़के अपने मुंह पर कपड़ा बांधकर आ गए। उन्होंने धमकाना शुरू कर दिया।

CCTV कैमरे से खोजबीन जारी

लुटेरों ने कहा कि अपने पास जो भी सामान हूं उसे दे दो। जब जवान ने अपने पास रखे सामान को नहीं दिया तो उन्होंने उसे स्कूटी को छीन लिया। फिर मौके से फरार हो गए। इस घटना की सूचना जवान ने अपने अधिकारियों को दी। इसके बाद माना थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। इस मामले में पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरा की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है।

रायपुर में युवती से छेड़छाड़, घर में घुसकर युवती ने बचाई इज्जत

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में एक युवती से बाइक सवार ने छेड़छाड़ की है। जिसका CCTV वीडियो सामने आया है। जिसमें साफ दिख रहा है कि युवती अपने किसी काम से पैदल जा रही थी। तभी एक बाइक सवार उसके सामने गाड़ी रोककर छेड़छाड़ करने लगा। जिसके बाद युवती ने पास के ही घर में घुसकर अपनी इज्जत बचाई। यह मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 29 अगस्त के शाम 4 बजे की है। वीडियो टाटीबंध के गली नंबर 4 का बताया जा रहा है। इसी इलाके के रहने वाली एक युवती किसी काम से पैदल जा रही थी। तभी हेलमेट पहना एक बाइक सवार अचानक उसके सामने आ गया। उसने गाड़ी को सामने रोक दिया। फिर युवती से छेड़छाड़ करने लगा। युवती ने उसका विरोध किया। उसने पास के ही घर में घुस गई। फिर वह चिल्लाने लगी। यह देखकर बदमाश डरकर मौके से फरार हो गया। इस मामले में पुलिस का कहना है कि जल्द ही बदमाश की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल, पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरे की मदद से पहचान में जुटी है।

1 सितंबर से बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पेट्रोल

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में 1 सितंबर से बिना हेलमेट के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं मिलेगा। छत्तीसगढ़ पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने यह फैसला लिया है। अगर कोई बिना हेलमेट पेट्रोल भराने को लेकर विवाद करेगा या हंगामा करेगा तो उसके खिलाफ प्रशासन और पुलिस सीधे कार्रवाई करेगी।

इस दौरान छत्तीसगढ़ पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल धगत ने बताया कि डिप्टी CM अरुण साव और रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को लिखित में जानकारी दे दी गई है। पेट्रोल पंप संचालकों ने आपसी सहमति से सड़क सुरक्षा और लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करने के मकसद से फैसला लिया है। वहीं रायपुर में सड़क हादसे में मौतों की बात करें तो हेलमेट नहीं लगाने की वजह से पिछले 7 महीने में 214 लोगों ने जान गंवाई है, जबकि 150 से ज्यादा को गंभीर चोट आई है। इसी तरह सीट बेल्ट नहीं लगाने की वजह से 20 से ज्यादा लोगों की जान गई है। इसमें अधिकांश कार ड्राइवर हैं।

रायपुर में साढ़े 7 महीने में 413 लोगों की कैसे गई जान ?

जनवरी 2025 से 15 अगस्त तक साढ़े 7 महीने में रायपुर में 1310 सड़क हादसे हुए हैं। इसमें 413 लोगों की जानें गईं, जबकि 880 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। करीब 210 दुपहिया में हादसा हुआ। दुपहिया सवार 214 की जान गई, जिन्होंने हेलमेट नहीं लगाया था, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए हैं। 12 कार का एक्सीडेंट हुए हैं। उसमें सवार 20 लोगों की जान गई हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

31 मार्च 2026: तय सीमा में नक्सल खात्मा बड़ी चुनौती

जन अदालतें आज भी आतंक का रूप

नक्सलवाद समाप्ति की डेडलाइन करीब आते ही छत्तीसगढ़ में चर्चा तेज हैं कि क्या मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा पूरी तरह खत्म हो पाएगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक राज्य को नक्सल-मुक्त बनाने का दावा किया है। इस लक्ष्य के तहत सुरक्षा बल लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, कई कैडर ने आत्मसमर्पण किया है और बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए हैं। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर हालात भयावह बने हुए हैं। नक्सली आज भी जन अदालत लगाकर निर्दोषों को मौत की सजा सुना रहे हैं और शिक्षा दूतों की हत्या कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस स्थिति ने भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में नक्सलियों की गतिविधियां अब भी लगातार जारी हैं। यह सवाल उठता है कि क्या अगले सात महीनों में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो पाएगा या फिर यह डेडलाइन सिर्फ राजनीतिक घोषणाओं तक सीमित रह जाएगी।

नक्सल एक्सपर्ट की राय

शुभ्रांशु चौधरी, नक्सल एक्सपर्ट, बताते हैं कि डेडलाइन 31 मार्च 2026 की घोषणा के समय परिस्थिति अलग थी। अब नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है, कई टॉप लीडर मारे गए या भाग गए हैं, लेकिन गिने-चुने नेता अब भी सक्रिय हैं। चौधरी कहते हैं, "अगर कोई टॉप लीडर मारा जाता है, तो समूह बिखर सकता है। कुछ सरेंडर कर सकते हैं, कुछ गुटों में बंट सकते हैं। इसलिए पूर्णता के साथ समाप्ति की संभावना कम है, लेकिन नियंत्रण में सुधार हुआ है।" बीजापुर के कर्रेगट्टा इलाके में जवानों की कार्रवाई हुई थी, लेकिन बाद में अभियान रुक गया।

सरकार का दावा बनाम जमीनी हकीकत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई और नक्सलियों के आत्मसमर्पण ने संगठन की रीढ़ तोड़ दी है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम पूरी ताकत से नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ नक्सल-मुक्त होगा। यह केवल दावा नहीं, बल्कि हमारा संकल्प है।" उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि सरकार ने रणनीति बनाई है और सुरक्षा बल लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। उनका मानना है कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और इसे समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

दीपक बैज, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, कहते हैं, "सरकार 2026 में नक्सलवाद समाप्त करने का दावा कर रही है, लेकिन बस्तर में निर्दोष आदिवासियों की हत्या जारी है। शिक्षा दूतों की जान खतरे में है। सरकार सिर्फ ढोल पीट रही है, असली सुरक्षा का जिम्मा वह नहीं ले रही।"मनीष गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार, कहते हैं, "नक्सलवाद भूमिगत संगठन है। पूरी तरह समाप्त करना आसान नहीं।

हाल की प्रमुख घटनाएं

- **कांकेर, बिनागुंडा गांव:** बीते वर्ष 29 नक्सली एक एनकाउंटर में मारे गए थे। 15 अगस्त 2025 को गांव के युवाओं और बच्चों ने नक्सलियों के स्मारक पर तिरंगा फहराया और भारत माता की जयकारे लगाई। अगले ही दिन नक्सलियों ने गांव पर हमला किया, जन अदालत लगाकर तिरंगा फहराने वाले मनेश नरेटी की हत्या कर दी और घटना की जिम्मेदारी खुद ली।
- **सुकमा, सिलगेर:** 27 अगस्त 2025 को नक्सलियों ने शिक्षा दूत लक्ष्मण बारसे को हत्या कर दिया। बारसे बीजापुर जिले के पेगड़ापल्ली गाँव के निवासी थे और सिलगेर के मंडीमरका में कार्यरत थे। नक्सलियों ने उन्हें पुलिस का मुखबिर बताते हुए मार डाला। यह घटना केवल एकमात्र नहीं है; इससे पहले भी शिक्षा दूतों को निशाना बनाया जा चुका है।

सरेंडर और कार्रवाई के आंकड़े

- दिसंबर 2023 से 5 अगस्त 2025 तक 450 माओवादी मारे गए, 1579 गिरफ्तार, और 1589 ने आत्मसमर्पण किया।
- 1 जनवरी 2025 से बीजापुर में 331 माओवादी गिरफ्तार, 307 ने सरेंडर किया, 132 मारे गए।
- 1 जनवरी 2024 से बीजापुर में 834 माओवादी गिरफ्तार, 496 ने सरेंडर किया, 190 मारे गए।

रामगढ़ पर्वत पर अस्तित्व का संकट

लैंडस्लाइडिंग से हिला आस्था का प्रतीक, खदान परियोजना पर उठे सवाल

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले का ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर रामगढ़ पर्वत आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वही स्थान है जहां भगवान राम ने वनवास के दौरान समय बिताया था और महाकवि कालिदास का महाकाव्य 'मेघदूतम' भी यहीं रचा गया था। लेकिन अब यह आस्था और इतिहास का प्रतीक स्थल दरारों और लैंडस्लाइडिंग के कारण संकट में है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पर्वत के आसपास हो रही कोयला खनन और ब्लास्टिंग गतिविधियों ने इस प्राकृतिक धरोहर को खतरे में डाल दिया है। वहीं, यह मुद्दा अब केवल स्थानीय विरोध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सियासी तकरार का केंद्र बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों से पर्वत पर दरारें और भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। संघर्ष समिति के सदस्य रोहित टेकाम कहते हैं, "जब से यहां कोल माइंस का काम शुरू हुआ, तब से ब्लास्टिंग के कारण रामगढ़ पर्वत में कंपन होता है। इसके चलते दरारें पड़ रही हैं और चट्टानें टूटकर गिर रही हैं। हम चाहते हैं कि इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण हो, नहीं तो इसे बचाना मुश्किल हो जाएगा।"

भूगोल विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार सिन्हा भी पर्वतीय असंतुलन के खतरे की पुष्टि करते हैं। "जियो-मैथोलॉजी के अनुसार पर्वत का ऊपरी भाग उसके नीचे स्थित गहरे और घनत्वयुक्त हिस्से पर टिकता है।

एनएचएम कर्मचारियों पर सरकार का कड़ा रुख: "काम नहीं तो वेतन नहीं"

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ा कदम उठाते हुए "कार्य नहीं तो वेतन नहीं" के सिद्धांत को लागू करने का आदेश जारी किया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) को निर्देश भेजे गए हैं कि हड़ताल पर रहे कर्मचारियों के अनुपस्थित दिनों का वेतन रोका जाए।

अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी

जारी आदेश में कहा गया है कि 18 अगस्त 2025 से लगातार अनुपस्थित पाए जा रहे सभी एनएचएम कर्मचारियों और अधिकारियों की सूची तत्काल राज्य कार्यालय को भेजी जाए। इसके साथ ही सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि उपस्थिति दर्ज न कराने की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें सेवा से पृथक करना भी शामिल है।

18 अगस्त से जारी हड़ताल

प्रदेशभर में करीब 16 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारी और अधिकारी विभिन्न अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। लेकिन 18 अगस्त से वे 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इससे बारिश, बाढ़ और मौसमी बीमारियों के समय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। मरीजों की भारी भीड़ होने के बावजूद अस्पतालों में स्टाफ की कमी से व्यवस्था चरमरा गई है। हड़ताल पर गए एनएचएम कर्मचारियों का कहना है कि स्थिति के लिए स्वयं सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि उनकी मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने 24 अगस्त को मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (MCB) जिले में दावा किया कि कर्मचारियों की 10 में से 5 मांगें पूरी कर ली गई हैं, जिन्हें जल्द लागू किया जाएगा।

धारपारुम पर्यटन स्थल का विकास करेगा जिला प्रशासन

कांकेर। कांकेर जिले के ग्राम पंचायत पीढ़ापाल के अंतर्गत कानागांव की पहाड़ियों और जंगलों में स्थित धारपारुम क्षेत्र को अब पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। यह स्थल जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर है और यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तथा पुरातात्विक महत्व इसे विशेष बनाते हैं। धारपारुम चारों ओर से पहाड़ियों से घिरी हुई एक खाईनुमा संरचना है। यहां का मनमोहक व्यू प्वाइंट, प्राकृतिक झरना और गुफाएं इसे रोमांचक बनाते हैं। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान पुरातात्विक शैलचित्र भी पाए गए हैं, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को उजागर करते हैं। मानसून सीजन में यह इलाका हरी-भरी वादियों से घिर जाता है, जिससे सैलानियों की आवाजाही बढ़ रही है। कांकेर कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी और जिला पंचायत सदस्य मृदुला भास्कर ने क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने ली अधिकारियों की बैठक

शिक्षा मंत्री की ताकीद; शिक्षकों की वेशभूषा हो शालीन

रायपुर। नए स्कूल शिक्षा शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रभार लेते ही स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक बुलाई। इस बैठक में यादव ने अनुशासन के साथ शिक्षकों की समय पर नियमित उपस्थिति, स्कूलों की नियमित मॉनिटरिंग और शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की वेशभूषा शालीन होनी चाहिए। नशे में स्कूल आने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई करने कहा है।

मंत्री ने मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग के कामकाज, योजनाओं की समीक्षा की। शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभागीय संरचना, योजनाओं और कार्यक्रमों पर पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन दिया। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्कूलों में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। मंत्री यादव ने शिक्षकों के क्लेम केस का त्वरित निराकरण किया जाए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि, शिक्षकों को बच्चों के सामने मॉडल बनना है, तो वेशभूषा शालीन होनी चाहिए। इसके अलावा नशे में स्कूल आने वाले शिक्षकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

विद्यालयों की स्थिति पर गहन जानकारी जरूरी

मंत्री यादव ने कहा कि, अधिकारियों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक शाला की अद्यतन जानकारी रखनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करें और प्राचार्यों, प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों से संवाद बनाए रखें।

विभागीय कार्यों में समन्वय पर जोर

मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें। जब अधिकारी, शिक्षक और स्कूल प्रबंधन एक साझा दृष्टिकोण से काम करेंगे तभी विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों का सही प्रभाव सामने आएगा। इस बैठक में माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष रेणु जी पिल्ले सहित समग्र शिक्षा, एससीईआरटी, माध्यमिक शिक्षा मंडल, पाठ्य पुस्तक निगम, मदरसा बोर्ड, लोक शिक्षण संचालनालय, संस्कृत विद्या मंडलम, स्काउट-गाइड और एनसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी-अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

कवर्धा सदन ?

एक सजायाफ्ता कैदी का यूं फरार हो जाने का मामला साधारण नहीं है। स्वाभाविक है कि उंगलियां भी उठेंगी ही। लेकिन इस फरारी के मद्देनजर अगर सवालों में खुद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री घिर जाएं तो चर्चा लाजमी है। मामला रायपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहे एक कैदी के भाग जाने से शुरू हुआ। जेल प्रशासन कैदी के भागने को लेकर जो तथ्य और ठिकाने बताया वह झूठा बताया जा रहा है। आरोप लगाने वाला भी कोई मजाकिया शख्सियत नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह मामला साधारण नहीं है। कैदियों को जेल से बाहर लाना, उनसे मजदूरी कराना और फिर फरार हो जाना... यह सामान्य घटना नहीं है। इसमें गृहमंत्री और जेल मंत्री के दफ्तर की संलिप्तता साफ दिख रही है। जेल अधीक्षक और प्रशासनिक अफसरों की भूमिका भी संदिग्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की है कि इस पूरे मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराई जाए। उनका आरोप है कि प्रशासन इस घटना को दबाने की कोशिश कर रहा है और गृह मंत्री अब तक इस पर खामोश हैं।

दरअसल गृह मंत्री विजय शर्मा खुद के वोटरों के लिए कवर्धा सदन बनवा रहे हैं। हालांकि अब तक परंपरा के मुताबिक 'सदन' जैसा कॉन्सेप्ट मुख्यमंत्री के लिए है। पहली बार उपमुख्यमंत्री, गृह मंत्री विजय शर्मा ऐसे पहले मंत्री होंगे जिनका 'सदन' होगा। मजे की बात यह कि जेल रोड में महिला कारावास के पास पुरानी जेल मुख्यालय बिल्डिंग को ही कवर्धा सदन में तब्दील किया जा रहा है। चौंकाने और जांच योग्य बिंदु यह है कि जेल के कैदियों को यहीं मजदूरी के लिए लाया गया था। वेल्डिंग कार्य के लिए लाया गया एक कैदी इस दौरान ही फरार हो गया और अब तक गिरफ्त से बाहर है।

...तो सवाल तो विपक्ष उठाएगा ही ! बघेल पूछ रहे हैं कि बिना कोर्ट की अनुमति के कैदी को जेल से बाहर किस अधिकार के तहत लाया गया? गृह मंत्री के कवर्धा सदन में कैदियों से काम कराने का आदेश किसने दिया? कैदी के फरार होने की जिम्मेदारी किसकी है और अब तक क्या कार्रवाई हुई? उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराई जाए। उनका आरोप है कि प्रशासन इस घटना को दबाने की कोशिश कर रहा है। फ़िलहाल इन गंभीर आरोपों पर गृह मंत्री ने मुंह में दही जमा लिए हैं, क्योंकि अब तक उनका कोई जवाब नहीं आया हैं।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-एक-दूसर ल फूलमाला पहिराए के परंपरा असन आजकाल उपाधि बाँटे के भारी रिवाज देखे जावत हे जी भैरा.. तहूँ ल कुछू के उपाधि चाही ते बता?

-टार जी कोंदा.. हमन आम मनखे ही सही हावन.. अंते-तंते न बनना हे न नॉव धराना हे संगी.

-तभो ले.. डॉक्टर कहाए के सँउख होही.. जनकवि कहाए के साध लागत होही.. फेर आजकाल तो युगकवि के घलो पदवी मिल जाथे बतावत रिहिन हें.

-अरे टार रे ददा.. तैं युगकवि के बात करथस.. मैं ह युगपुरुष अउ युगप्रवर्तक के पदवी धारी मनला घलो जानथौं.. ए मन अपने झोला म नरियर, फूल-माला अउ साल-अँगरखा धर के किंजरइया आयँ.. जिहाँ कुछू कार्यक्रम होवत देखथें तहाँ ले आयोजक मन जगा गोहरा के उही मंच म अपनो सम्मान करवा लेथें.. का-का कहिथें तइसनो उपाधि घलो गढ़वा लेथें.

-हव.. अइसने तो चलत हे.. तैं मोला दे तहाँ ले मैं तोला देहूँ.. एकरे सेती तो आजकाल जेन ल देखबे तेने ह अपन नॉव के आगू म डॉक्टर लिख के किंजरत रहिथे.

-इहू म यमराज के नता-रिश्ता बरोबर इलाज करइया झोलाछाप डॉक्टर मन होहीं?

-त अउ कइसन रइहीं जी.. तैं आँखी पिरावत हे कहिके उँकर जगा अभर परबे त वो ह तोर गोड़ के आपरेशन कर देही.

-जउँरहा हे ददा.. साहित्य म घलो अइसने चलत हे

ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार क्यों चाहिए?

यतेन्द्रजीत सिंह

नोबेल पुरस्कार के लिए समर्थन जुटाना नई बात नहीं है। वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री और यहां तक कि कवि भी ऐसा करते हैं। लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प जैसा अशिष्ट और अतिशयोक्ति से भरा कैम्पेन दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा। यह शांति की स्थापना और बहाली के लिए विश्व का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है। पुरस्कार का निर्णय नॉर्वे की संसद द्वारा नियुक्त एक समिति करती है। ऐसी कल्पना करना भी कठिन है कि वे प्रबुद्धजन ट्रम्प को इस पुरस्कार के योग्य समझेंगे।

इसका एक कारण यह भी है कि ट्रम्प हर मौके पर यूरोप को नीचा दिखाते हैं। वे नॉर्वे के पड़ोसी डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को कब्जाने की धमकी देते रहे हैं। नॉर्वे की सदस्यता वाले नाटो गठबंधन को कमजोर करने के लिए वे उत्सुक नजर आते हैं। इतना ही नहीं, ट्रम्प द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध के लिए जिम्मेदार तानाशाह पुतिन को तो सलाम ठोकते हैं, लेकिन अपनी रक्षा कर रहे देश के राष्ट्रपति जेलेंस्की के प्रति दम्भ से भरा कृपाभाव दिखाते हैं।

यों भी ट्रम्प सामान्य रूप से तानाशाहों का समर्थन करते ही दिखते हैं। ब्राजील ने जब 2022 में ट्रम्प की शह पर तख्तापलट के प्रयास के लिए पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की तो ट्रम्प ने सजा के तौर पर ब्राजील पर कड़े टैरिफ लगा दिए। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जबरदस्त समर्थन किया है। जबकि नेतन्याहू ने गाजा पर अमानवीय हमले करते हुए उस ओस्लो समझौते के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी, जो नॉर्वे की सबसे बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि रहा था। हालांकि, ओस्लो समझौते ने इसका स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं किया था कि भविष्य में इजराइल के साथ एक फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना भी हो, लेकिन वेस्ट बैंक और गाजा में स्व-शासित फिलिस्तीनी संस्थानों की स्थापना करके "दो-राष्ट्र' संबंधी समाधान की बुनियाद रख दी गई थी।

लेकिन अब इजराइल ने गाजा को नेस्तनाबूद करने और वहां की आबादी को भुखमरी में धकेलने के अलावा वेस्ट बैंक में एक नई बस्ती बनाने की परियोजना को मंजूरी दे दी है– जो वहां एक फिलिस्तीनी राष्ट्र के निर्माण को प्रभावी रूप से रोकती है। लेकिन ट्रम्प न केवल नेतन्याहू के कार्यों का बचाव करते हैं, बल्कि उनके आलोचकों को दंडित भी करते हैं- जिसमें नॉर्वे भी शामिल है। अपने देश में भी ट्रम्प का व्यवहार संवाद और सुलह के प्रति ऐसी ही अवज्ञा को दर्शाता है। वे नेशनल गार्ड के सैनिकों को उन शहरों में तैनात कर रहे हैं, जहां न तो उनकी जरूरत है और ना लोग उन्हें चाह रहे हैं। शरणार्थियों, प्रवासियों और यहां तक कि अमेरिकी नागरिकों और बच्चों को भी बिना उचित प्रक्रिया के हिरासत में लिया और निर्वासित किया जा रहा है।

लेकिन ट्रम्प की दुनिया में कुछ भी सम्भव है, जहां जवाबदेही मनमानी है, तथ्य नकारे जाते हैं और झूठ ही स्थायी है। हम पहले ही एक के बाद एक वैश्विक नेताओं को ट्रम्प की चापलूसी करते और उनके आगे सिर झुकाते देख चुके हैं। वास्तव में, उन्हें पहले ही नोबेल के लिए दो देशों के नामांकन मिल चुके हैं। पहला है पाकिस्तान, जो यकीनन शांति का प्रतीक नहीं है। और दूसरा है कम्बोडिया, जिसका नेतृत्व वैसे ही तानाशाह करते हैं, जिनकी ट्रम्प तरफदारी करते हैं।

अलबत्ता नोबेल समिति अतीत में ट्रम्प से भी बड़े बेतुके दिखावे देख चुकी है। 1939 में नेविल चैंबरलेन को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया था। लेकिन उस साल किसी को पुरस्कार नहीं दिया गया। यह एक दूरदर्शी निर्णय था, क्योंकि नाजी शासन को चेकोस्लोवाकिया के सुडेटेनलैंड पर कब्जे को हरी झंडी देने वाले चैंबरलेन ने सिर्फ और सिर्फ हिटलर को अन्य देशों के खिलाफ आक्रामकता के लिए उकसाया था। विडम्बना है कि ट्रम्प सोचते हैं यूक्रेन को अपनी जमीन रूस को सौंपने के लिए मजबूर करने पर वे भी नोबेल के दावेदार हो गए हैं। ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार क्यों चाहिए? क्योंकि अतीत में यह ओबामा को दिया जा चुका है। यकीनन, 2009 में ओबामा काे जल्दबाजी में नोबेल दे दिया गया था, लेकिन ट्रम्प काे यह पुरस्कार देना तो पूरी तरह से हास्यास्पद होगा।

पाक के साथ क्रिकेट खेलने का यह सही समय नहीं

राजदीप सरदेसाई

पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते और ऐसा कहते हुए उन्होंने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। बहरहाल, पानी भले ही खून के साथ नहीं बह सकता, लेकिन खेल जरूर उसके साथ हो सकता है। कुछ ही दिनों बाद एशिया कप शुरू होगा और सभी की निगाहें भारत-पाकिस्तान के अहम मुकाबले पर टिकी होंगी। सरकार ने इन मैचों को यह कहते हुए हरी झंडी दे दी है कि द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुकाबलों में फर्क है। देखें तो सरकार 2012 से चले आ रहे उन अलिखित दिशानिर्देशों का ही पालन कर रही है, जिनके चलते दोनों देशों के बीच केवल वैश्विक टूर्नामेंटों में ही क्रिकेट मुकाबले हुए हैं। भारत-पाक खेल संबंधों का एक लंबे समय से समर्थक होने के नाते मुझे तो बिना किसी हिचकिचाहट के सरकार के रुख का स्वागत करना चाहिए। आखिर क्रिकेट का खेल ही तो है, जो उपमहाद्वीप के देशों को आपस में जोड़ता है। इसमें भी भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट मुकाबलों ने खेलप्रेमियों को कई यादगार लम्हे दिए हैं। और इसके बावजूद, इस बार की बात अलग है। मैदान में वो दो टीमें आमने-सामने होंगी, जिनके देश अभी कुछ महीने पहले परमाणु युद्ध की कगार पर थे। आप कह सकते हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों का पाकिस्तान की हुकूमत और फौज की साजिशों से क्या लेना-देना? क्या खेलों की शुचिता को पाकिस्तान के उस सत्ता-प्रतिष्ठान से अलग नहीं रखा जा सकता, जो भारत को 'हजार घाव' देने पर तुला रहता है?

सैद्धांतिक रूप से हां, लेकिन वास्तव में नहीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी क्रिकेट की किसी भी जानी-मानी आवाज ने भारत के लोगों के प्रति सहानुभूति का बयान नहीं दिया था। शाहिद अफरीदी ने तो उलटे भड़काऊ बयान देते हुए भारतीय सेना को ही आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया था। वे अकेले नहीं थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी- जो शाहबाज शरीफ सरकार में मंत्री भी हैं- ने कहा था कि भारत में हमसे क्रिकेट खेलने से इनकार करने की हिम्मत नहीं है, क्योंकि वे जानते हैं इसके क्या परिणाम होंगे। पीसीबी प्रमुख के भड़काऊ बयानों से पता चलता है कि पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान में नई दिल्ली के प्रति दुश्मनी की भावना कितनी गहरी है। ठीक है कि हमारे देश में भी कुछ उग्र लोग हैं, जो पाकिस्तान के 'खात्मे' की चाहत रखने वाले एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा के दोनों ओर मीडिया द्वारा जो दुष्प्रचार अभियान चलाया गया, वह संस्थागत आचार-संहिता के पतन को दर्शाता है। हमारे एक टीवी एंकर ने तो गरजते हुए कह दिया था कि 'अमन की आशा को ब्रह्मोस की भाषा ने दफना दिया है!' लेकिन

युद्धोन्माद के इस दौर में क्या भारत-पाक क्रिकेट मैच मरहम का काम कर सकता है? दुर्भाग्य से नहीं। मुझे याद है कि 2004 में मैं पाकिस्तान गया था। तब भारत ने न केवल पहली बार पाकिस्तान को उसी की धरती पर टेस्ट शृंखला में हराया था, बल्कि उस समय पाकिस्तान के लोगों में भारतीय टीम के प्रति गर्मजोशी का भी संचार हुआ था।

मुझे याद है मैं लाहौर में उन्मादी पाकिस्तानी प्रशंसकों से घिरा था, जो 'बालाजी, जरा धीरे चलो' गा रहे थे। मुझे यह भी याद है कि 1999 में एक टेस्ट मैच में भारत को मामूली अंतर से हराने के बाद चेन्नई की भीड़ द्वारा कैसे पाकिस्तानी टीम का खड़े होकर अभिवादन किया गया था। लेकिन सद्भाव के वो पल क्षणभंगुर साबित हुए। सच तो यह है कि आज भारत-पाकिस्तान के रिश्ते बिल्कुल भी सामान्य नहीं हैं। ऐसे में क्रिकेट सामान्यता का बनावटी एहसास दिलाने का जरिया भर बनकर रह जाएगा। खिलाड़ियों से अपेक्षा की जाने लगती है कि वे योद्धा बनकर बल्ले और गेंद से 'युद्ध' छेड़ें, जबकि दर्शक इन मुकाबलों पर फलने-फूलने वाले क्रिकेट के इकोसिस्टम द्वारा राष्ट्रीय उन्माद के अकल्पनीय दौर में धकेल दिए जाते हैं। यह अकारण नहीं है कि लगभग हर वैश्विक टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को हमेशा एक ही ग्रुप में रखा जाता है। भारत-पाकिस्तान का मैच दो हफ्ते तक चलने वाले एशिया कप के बाकी सभी मैचों की तुलना में ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगा और इसी के साथ विज्ञापन-राशि बढ़ेगी। आम भारतीय और पाकिस्तानी पहलगाम में हुई हिंसा के बाद एक-दूसरे के परिवारों से मिलने के लिए वीसा तक नहीं पा सकते, लेकिन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के वीवीआईपी अधिकारी एयर-कंडीशंड कमरों में खुशी-खुशी एक-दूसरे से मिलते रहेंगे। खून और पानी भले ही साथ-साथ नहीं बह सकते हों, लेकिन पैसों का रंग तमाम सीमारेखाओं को लांघ जाता है!

साप्ताहिक शहर सत्ता

भारत-चीन संबंधों की नई ईबारत

मानसरोवर यात्रा से लेकर डायरेक्ट फ्लाइट से लेकर कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से महत्वपूर्ण बैठक की. दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कज़ान में हुई पिछली मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में आए "सकारात्मक माहौल" का स्वागत किया और स्पष्ट किया कि भारत और चीन विकास के साथी हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं. प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिए अनिवार्य बताया. दोनों नेताओं ने पिछले साल हुए डिसएंगेजमेंट पर संतोष जताया और सीमा विवाद का न्यायसंगत और स्वीकार्य समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई.

व्यापार, वीज़ा और कनेक्टिविटी में सहयोग

दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए वीज़ा सुविधा, सीधी उड़ानों और कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली पर जोर दिया. इसके अलावा व्यापार घाटा कम करने और निवेश बढ़ाने पर भी सहमति बनी.

रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का पालन करते हैं और उनके रिश्तों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. दोनों नेताओं ने आतंकवाद और निष्पक्ष व्यापार जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की.

भविष्य की बैठकों और आमंत्रण

प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की एससीओ अध्यक्षता का समर्थन किया और राष्ट्रपति शी को भारत में 2026 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया. शी ने आमंत्रण स्वीकार किया और भारत की अध्यक्षता का समर्थन देने का आश्वासन दिया.

चीनी नेतृत्व से द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो स्थायी समिति सदस्य काई ची से भी मुलाकात की. काई ने कहा कि चीन भारत के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करने का इच्छुक है.

भारत-चीन के रिश्तों को तीसरे देश के नजरिए से मत देखें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (31 अगस्त, 2025) को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की. शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन के संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक ट्रेड टैरिफ नीतियों की ओर इशारा करती है. भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से रविवार (31 अगस्त, 2025) को एक बयान जारी किया गया है।

इजरायल ने यमन के सना में की एयरस्ट्राइक हूती पीएम की मौत

नई दिल्ली। यमन की राजधानी सना में इजरायल के हवाई हमले में हूती प्रशासन के प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी की मौत हो गई है. यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार (30 अगस्त, 2025) को पीएम अहमद अल-रहावी के हमले में मारे जाने की पुष्टि कर दी है. ईरान के समर्थन वाले हूती विद्रोहियों के समूह ने शनिवार (30 अगस्त, 2025) को एक आधिकारिक बयान जारी किया. बयान में विद्रोही समूह ने कहा कि गुरुवार (28 अगस्त, 2025) को हुई इजरायली हमले में अल-रहावी की मौत हो गई.

अल-रहावी के साथ-साथ इजरायली हमले में कई अन्य मंत्री भी मारे गए. इजरायल के सेना की ओर से यमन-बेस्ड हूती विद्रोहियों के खिलाफ यह हमला उस वक्त हुए जब अधिकारी पिछले साल हुए सरकारी काम की समीक्षा करने के लिए एक वर्कशॉप में शामिल हुए थे. वहीं, इजरायल की सेना ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि IDF ने यमन की राजधानी सना के इलाके में हूती आतंकवादी शासन के एक सैन्य ठिकाने पर सटीक हमले को अंजाम दिया. हूती विद्रोही लंबे समय से गाजा में जारी युद्ध के दौरान हमास के समर्थक के तौर पर खड़े रहे हैं।

हिमाचल में नहीं थमेगी आफत वाली बारिश

320 लोगों की गई जान
अब तक 3042 करोड़ का नुकसान

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर अपना कहर बरपाया है. राज्य में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. मौसम विभाग ने आज (31 अगस्त) चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. वहीं मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है. 1 सितंबर को उना, बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी और शिमला में बारिश का येलो अलर्ट रहेगा. दो सितंबर को शिमला, सोलन और सिरमौर में भी यही स्थिति रहेगी. तीन से पांच सितंबर तक भी मौसम खराब रह सकता है, हालांकि इन दिनों कोई अलर्ट जारी नहीं है.

839 सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक अब तक 839 सड़कें बंद हैं. इनमें चंबा में 286, मंडी में 197, कुल्लू में 175, कांगड़ा में 61, सिरमौर में 38 और शिमला में 28 सड़कें शामिल हैं. इसके अलावा कुल्लू और मंडी जिले में तीन नेशनल हाईवे भी ठप हैं. बिजली और पानी की सप्लाई भी बुरी तरह प्रभावित है. 728 ट्रांसफार्मर और 456 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं.

अब तक 320 लोगों की मौत

मानसून सीजन में अब तक 320 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 377 लोग घायल हैं और 40 लोग अब भी लापता हैं. सबसे ज्यादा मौतें मंडी में 51 और कांगड़ा में 49 हुई हैं. चंबा में 36, शिमला में 29, कुल्लू और किन्नौर में 28-28 लोगों की जान गई है.

हिमाचल में करोड़ों का नुकसान

अब तक 4041 घरों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें 824 पूरी तरह ढह गए हैं. मंडी में सबसे ज्यादा 1592 घर क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें से 517 पूरी तरह गिर गए. इसके अलावा 467 दुकानें और 3646 पशुशालाएं तबाह हो चुकी हैं.मानसून से कुल 3042 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है. इसमें लोक निर्माण विभाग को 1693 करोड़ और जलशक्ति विभाग को 1070 करोड़ का नुकसान हुआ है.

पिछले 24 घंटे में भारी बारिश

पिछले 24 घंटे में चंबा के चुआड़ी में सबसे ज्यादा 100 मिलीमीटर बारिश हुई. जोगिंद्रनगर में 90, रामपुर बुशहर और धर्मशाला में 70-70, शिमला, कटुआला, नाहन और पालमपुर में 60-60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई.

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट: सात की मौत, पांच घायल

रायपुर। राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

पीएम की मां पर टिप्पणी से बवाल कांग्रेस पर बरसे असम सीएम

पटना। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की एक रैली में पीएम मोदी की मां पर अभद्र टिप्पणी की गई थी. इसको लेकर बवाल मच गया. इस मुद्दे पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बयान दिया. उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग कभी नहीं सोच सकते है कि गांधी परिवार के अलावा कोई और प्रधानमंत्री बन सकता है. पीएम मोदी ने उनके अहंकार को तोड़ दिया है. 11 साल से सरकार चलाया है. विश्व के नेता बने हैं. आज जापान और चीन में जैसा स्वागत होता है, ये लोग कभी सोच भी नहीं सकते हैं. अब ये पीएम मोदी की स्वर्गवासी मां के बारे में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं. माफी मांगना तो दूर की बात, ये लोग उस बयान का राजनीतिकरण कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिहार की जनता चुनाव में जवाब देगी. हिमंत बिस्वा सरमा ने अरशद मदनी के बयान पर कहा कि मदनी ने एक बात का खुलासा कर दिया है कि कांग्रेस के टिकट के पीछे उनकी राय भी होती थी. पता नहीं कितना लोगों का टिकट भी काट चुका है. असम में मदनी को नहीं मानते हैं. भाजपा आने के बाद मदनी हीरो से जीरो बन गया है.

48 घंटे में बना ऑपरेशन सिंदूर का प्लान

वॉइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर उसे तबाह कर दिया. ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद वॉइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि कैसे भारतीय वायुसेना पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया था.

उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने 50 से कम हथियारों का इस्तेमाल कर पाकिस्तान को सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाने पर मजबूर कर दिया. वॉइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय हमने जो किया वो इस बात का एक छोटा नमूना था कि भारतीय वायुसेना की ताकत क्या है. उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही एयरफोर्स की प्लानिंग शुरू हो चुकी थी. उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद से तीनों सेनाओं ने अपने-अपने हेडक्वॉर्टर्स में अलग-अलग ऑपरेशन को अंजाम देने की प्लानिंग शुरू कर दी थी. एक समिट में नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान के सीजफायर की मेज पर लाने के लिए भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियारों का इस्तेमाल किया था. उन्होंने कहा कि दुश्मन की किसी भी कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देने की योजना बनाने के लिए सेना को पूरी तरह से आजादी दी गई थी. उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को एक हाई लेवल टीम को ऑपरेशन को लेकर विकल्प बताए, जिसमें तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान पर अटैक करने के अपने विकल्प पेश किए थे. उन्होंने बताया कि 48 घंटे के भीतर ही भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की अपनी योजना पेश कर दी. भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया. भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारत के सैन्य ठिकानों पर हमला करने की नाकाम कोशिश की.।

टीम इंडिया के मेंटर बनेंगे धोनी

माही के लिए BCCI का खास ऑफर

हैदराबाद: भारतीय क्रिकेट बोर्ड BCCI अगले T20 विश्व कप से पहले महेंद्र सिंह धोनी को अहम भूमिका देने की योजना बना रहा है. ऐसी खबर है कि बोर्ड टीम इंडिया को दो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को 2026 टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का मेंटर नियुक्त कर सकता है. अगर यह सच हुआ, तो धोनी टीम इंडिया के डगआउट में फिर से नजर आ सकते हैं. इस रिपोर्ट ने धोनी के प्रशंसकों में नया उत्साह पैदा कर दिया है.

पहले भी थे मेंटर

ऐसा पहली बार नहीं है. इससे पहले बीसीसीआई ने 2021 टी20 विश्व कप के दौरान धोनी को टीम इंडिया का मेंटर नियुक्त किया था. हालांकि, धोनी को केवल उस टूर्नामेंट में सेवाएं देने के लिए अनुबंधित किया गया था. उसके बाद, धोनी को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई. इस बार खबर है कि बीसीसीआई टीम के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए मेंटर नियुक्त करने को तैयार है. लेकिन क्या धोनी इसके लिए राजी होंगे या नहीं? यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है.

हेड कोच गंभीर का क्या कहना है?

क्रिकेट पंडित और विश्लेषकों का मानना है कि टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर धोनी को मेंटर नियुक्त करने को लेकर सकारात्मक रहेंगे. गंभीर उस वनडे और टी20 विश्व कप टीम के भी सदस्य थे, जिसे टीम इंडिया ने धोनी की कप्तानी में जीता था. हालांकि, गंभीर ने अतीत में इन जीतों का पूरा श्रेय धोनी को दिए जाने पर भी असंतोष व्यक्त किया है.गंभीर ने कहा कि सफलता तभी संभव है जब पूरी टीम एकजुट होकर काम करे. ऐसे में, क्या गंभीर धोनी जैसे क्रिकेटर को अपने से ऊपर रखने के लिए तैयार हैं? यह भी बड़ा सवाल है. हालांकि, हाल ही में एक कार्यक्रम में धोनी और गंभीर के साथ दिखाई देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. वीडियो में दोनों खुशदिली के साथ बात करते हुए दिखाई भी दे रहे थे. 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले धोनी फिलहाल IPL में खेल रहे हैं. हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह 2026 के संस्करण में खेलेंगे या नहीं.

राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम राजस्थान रॉयल्सऔर भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का साथ एक सीजन के बाद ही छूट गया है. द्रविड़ ने 30 अगस्त (शनिवार) को राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के पद से इस्तीफा दे दिया. राजस्थान रॉयल्स की ओर से जारी बयान में ये कहा गया कि द्रविड़ को फ्रेंचाइजी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया. राहुल द्रविड़ ने ऐसे समय में पद छोड़ा है, जब मौजूदा कप्तान संजू सैमसन के भी राजस्थान रॉयल्स से बाहर निकलने की अटकलें चल रही हैं. द्रविड़ की कोचिंग में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में कुछ खास नहीं रहा था. राजस्थान रॉयल्स ने 14 में से सिर्फ 4 मुकाबले जीते और यह टीम अंकतालिका में नौवें स्थान पर रही.

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के अंदरखाने कुछ सही नहीं चल रहा था. टीम मैनेजमेंट के अंदर अगले सीजन के लिए कप्तान के तौर पर तीन नामों पर चर्चा हो रही थी. इनमें मौजूदा कप्तान संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के नाम शामिल हैं. हालांकि किसी एक पर पूरी सहमति नहीं बन पाई. कुछ लोग चाहते थे कि रियान पराग को कप्तानी दी जाए क्योंकि उन्होंने आईपीएल के पिछले सीजन में संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में 8 मैचों में टीम की कमान संभाली थी. हालांकि, उन 8 मैचों में से राजस्थान रॉयल्स की टीम सिर्फ 2 में ही जीत हासिल पाई.दूसरी ओर एक ग्रुप का मानना था कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को कप्तान बनाना चाहिए क्योंकि वह टीम का भविष्य हैं. हालांकि, यशस्वी ने अभी तक राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी नहीं की है, लेकिन कप्तान बनने की उनकी इच्छा सबको पता है. वहीं तीसरा ग्रुप चाहता था कि लीडरशिप में बदलाव नहीं किया जाए और संजू सैमसन ही कप्तान बने रहें. सैमसन अभी भी चर्चा का मुख्य विषय हैं।

तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनेगा भारतः आरबीआई गर्वनर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएगी. उन्होंने देश के विकास को बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री जन धन योजना को दिया. उनका यह बयान एक ऐसे समय पर आया है, जब देश में चल रही टैरिफ टेंशन के बावजूद भारत की जीडीपी चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 परसेंट की दर से आगे बढ़ी है. यह अमेरिका के भारी-भरकम टैरिफ लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है. इंदौर के रंगवासा गांव में एक सरकारी बैंक के वित्तीय समावेशन अभियान 'संतृप्ति शिविर' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और आरबीआई ने 11 साल पहले बैंकों के सहयोग से जन धन योजना की शुरुआत की थी, जिससे पूरे देश का विकास हुआ है. उन्होंने कहा, "आज भारत दुनिया के 5 सबसे विकसित देशों में गिना जाता है।

GST रिफॉर्म पर सरकार के प्रस्ताव पर इन 8 राज्यों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की बैठक 3-4 सिंतबर को होगी, जिसमें जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर सरकार के प्रस्तावों पर फैसला लिया जाएगा. इससे देश की जनता को काफी उम्मीदें हैं. हालांकि, देश में विपक्ष के 8 ऐसे राज्य हैं, जो इसमें अपनी एक मांग रख सकते हैं. दरअसल, विपक्ष पार्टियों द्वारा शासित इन आठ राज्यों का कहना है कि गुड्स एंड सर्विस टैक्स (GST) में स्लैब को रीस्ट्रक्चर किए जाने के सरकार के प्रस्ताव से सभी राज्यों को सालाना लगभग 1.5 लाख करोड़ से लेकर 2 लाख करोड़ रुपये तक रेवेन्यू का नुकसान होगा. ऐसे में केंद्र इस नुकसान की भरपाई करते हुए पांच साल तक मुआवजा दे.

शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्रियों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल सरकार के भी एक प्रतिनिधि ने टैक्स में कटौती के बाद मुनाफाखोरी से बचने के लिए एक ऐसे मैकेनिज्म को बनाए जाने की मांग की है, जिससे व्यवसायों को लाभ मिलना सुनिश्चित हो ताकि आम आदमी को फायदा मिल सके. राज्यों ने सुझाव दिया है कि मौजूदा टैक्स स्लैब से मिलने वाले रेवेन्यू को बनाए रखने के लिए लग्जरी और सिन गुड्स पर 40 परसेंट के अलावा भी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाए.

इससे मिलने वाली आय का एक हिस्सा राज्यों के बीच वितरित किया जाए ताकि उन्हें होने वाले रेवेन्यू नुकसान की भरपाई हो सके. जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में इन सभी राज्यों ने अपना प्रस्ताव पेश करने का फैसला लिया है।

नितीश राणा और दिग्वेश राठी को लगा जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 में कहासुनी के बाद नितीश राणा और दिग्वेश राठी पर भारी पेनल्टी लगाई गई है. यह मामला शुक्रवार को खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मैच का है, जो वेस्ट दिल्ली लायंस और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के बीच खेला गया. नितीश राणा और दिग्वेश राठी, दोनों मैदान पर एक-दूसरे के लिए इशारे करते नजर आए और बेकार व्यवहार के लिए उनपर जुर्माना ठोका गया है. मैच के बाद DPL ने प्रेस रिलीज जारी करके बताया कि नितीश राणा के साथ झगड़े के कारण दिग्वेश राठी पर मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. दरअसल आठवें ओवर में नितीश ने दिग्वेश के ओवर में लगातार 3 छक्के लगा दिए थे, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई. वहीं जब नितीश ने रिवर्स स्वीप करके सिक्स लगाया तो माहौल ज्यादा गरमा गया. ये पहली बार नहीं है जब दिग्वेश राठी मुश्किल में पड़े हैं, इससे पहले IPL 2025 में भी उनपर तीन बार जुर्माना लगाया गया था.

भगदड़ में मरने वालों को आरसीबी देगी 25 लाख का मुआवजा

बेगलुरु। बेंगलुरु भगदड़ मामले में 11 लोगों की मौत हो गई थी. ये हादसा आईपीएल 2025 के फाइनल के अगले दिन 4 जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुआ. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए हजारों की संख्या में लोग चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे थे, लेकिन इस दौरान भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हुआ, जिसमें 11 परिवारों ने अपने चाहने वालों को खो दिया. इसे लेकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से आज शनिवार, 30 अगस्त को एक स्टेटमेंट जारी किया गया है, जिसमें इन 11 परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर देने का ऐलान किया गया है।

15 सितंबर तक ITR भरने की आखिरी तारीख

नई दिल्ली। जिन व्यक्तियों और संस्थाओं को अपने खातों का ऑडिट नहीं करवाना होता, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की डेडलाइन 15 सितंबर है. यानी कि रिटर्न फाइल करने के लिए अब सिर्फ तीन ही हफ्ते बचे हैं इसलिए टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से SMS रिमाइंडर भेजना शुरू कर दिया गया है. इस SMS में लिखा है- अब तक 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं. कृपया 15.09.25 से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल पर AY.2025-26 के लिए अपना आईटीआर दाखिल और ई-वेरिफाई करें.

3 लाख सैलरी वालों को भरना होगा रिटर्न

अब अगला सवाल यह आता है कि 15 सितंबर तक आखिर किन्हें आईटीआर रिटर्न जमा कराना है. क्या उन्हें भी रिटर्न भरना होगा जिनकी सालाना आमदनी 3 लाख रुपये तक है? इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नांगिया एंड कंपनी एलएलपी की एग्जीक्यटिव डायरेक्टर संजोली माहेश्वरी ने इसका जवाब देते हुए कहा, "कारोबारी साल 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की आय सीमा टैक्सपेयर के टोटल इनकम औन चुनी गई टैक्स रिजीम- पुरानी या नई पर आधारित है."

वह आगे कहती हैं, "अगर टोटल इनकम मूल छूट सीमा से अधिक है, तो टैक्सपेयर को अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल करना चाहिए. न्यू टैक्स रिजीम में मूल छूट सीमा 3 लाख रुपये और पुरानी कर व्यवस्था के लिए 2.5 लाख रुपये है."

क्या स्टूडेंट्स को भरना होगा आईटीआर?

आमतौर पर लोग यही सोचते हैं कि आईटीआर केवल नौकरी करने वालों या बिजनेस संभालने वालों को ही भरना पड़ता है, जबकि ऐसा नहीं है. आज के समय में स्टूडेंट्स और बेरोजगार युवाओं को भी अपना आईटीआर दाखिल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित किया जा रहा है, भले ही उनकी आय मूल छूट सीमा से कम हो. हालांकि, यह अनिवार्य नहीं है. ऐसा इसलिए ताकि उनकी एक आदत बनी रहे क्योंकि आईटीआर फाइल करने के कई फायदे हैं जैसे कि इससे फाइनेंशियल क्रेडिबिलिटी बनती है, रिफंड क्लेम करने में आसानी रहती है, बड़े अमाउंट में ट्रांजैक्शन करना आसान हो जाता है वगैरह.

टाटा का सबसे बड़ा IPO सितंबर में होगा लॉन्च

नई दिल्ली। शेयर बाजार निवेशकों के लिए आने वाले समय में कमाई का शानदार मौका आ रहा है. नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी टाटा कैपिटल अपना आईपीओ लेकर आ रहा है. 22 सितंबर से शुरू होने वाले हफ्ते में टाटा कैपिटल का आईपीओ लॉन्च होने वाला है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, टाटा कैपिटल के 30 सितंबर तक शेयर बाजार में एंट्री लेने की उम्मीद जताई जा रही है. जानकारों का यह भी कहना है कि इस इश्यू से कंपनी का वैल्यूएशन 11 अरब डॉलर हो जाने की संभावना है.

अगस्त में दाखिल किए गए अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) के मुताबिक, प्रस्तावित IPO में कुल 47.58 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे. इनमें से 21 करोड़ फ्रेश इक्विटी शेयर होंगे और 26.58 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल (OFS) के तहत मौजूदा निवेशकों द्वारा बेचे जाएंगे. IPO में OFS विंडो के तहत टाटा संस 23 करोड़ शेयर बेचेगी।

साप्ताहिक शहर सत्ता

दो देशों की यात्रा और 6-बड़े निवेशकों का प्रस्ताव लेकर लौटे सीएम

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अफसरों की टीम के साथ शनिवार को रायपुर लौट आए। जापान और कोरिया की यात्रा में मुख्यमंत्री 6 बड़ी कंपनियों का निवेश प्रस्ताव लेकर आए हैं। रायपुर एयरपोर्ट पर साय ने कहा कि दोनों ही देशों से एआई, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की सहमति बनी है।

इसके साथ ही कई औद्योगिक संस्थानों से छत्तीसगढ़ में निवेश प्रस्ताव भी मिले हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा में तय हुआ है कि भारत में जापान 6 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इसका बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ को भी मिलेगा।

आईसीसीके बनेगा नॉलेज पार्टनर

दक्षिण कोरिया में आईसीसीके के साथ एमओयू हुआ है। यह छत्तीसगढ़ का नॉलेज पार्टनर बनेगा। इससे उद्योगों के लिए स्किल मैन पावर उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।

इन कंपनियों से अलायंस

एनटीटी लिमिटेड (टोक्यो)- क्लाउड, आईटी-साइबर सुरक्षा {जेट्रो (जापान) और किटा (कोरिया)- नई तकनीक-इंफ्रास्ट्रक्चर {मोराबु हांशिन (ओसाका)- उन्नत कौशल प्रशिक्षण-कार्यबल विकास {एटीसीए (सियोल)- आईटी, सेमीकंडक्टर, फार्मा ओर टेक्सटाइल की 60 से अधिक कंपनियों से जुड़ाव {यूनेको रेल (सियोल)- लॉजिस्टिक्स दक्षता और संपर्क को बढ़ावा।

सरकार बताये जापान में किसके साथ और कितने एमओयू हुए : कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जापान और दक्षिण कोरिया दौरे से लौटने पर प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने सवाल उठाते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री की कौन-कौन सी कंपनियों से एमओयू हुआ है, सार्वजनिक करे सरकार? छत्तीसगढ़ की जनता की गाढ़ी कमाई से मुख्यमंत्री और उनके अधिकारी जापान और साउथ अफ्रीका के दौरे पर गए थे, अब उन्हें निवेश कब-कब आयेगा इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। इसके पहले भी वित्त मंत्री ओपी चौधरी अमेरिका दौरे पर गए थे, उप मुख्यमंत्री अरुण साव अमेरिका दौरे पर गए थे लेकिन नहीं बता पाए कि उनके दौरे से राज्य को क्या फायदा हुआ है? प्रधानमंत्री मोदी बार-बार लगातार अमेरिका गए, ट्रंप को अपना मित्र साबित करने में पूरी ऊर्जा और सरकारी संसाधन लुटाए गए लेकिन मिला क्या? उल्टे भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में टैरिफ और पेनल्टी लग गया। पहले डिप्टी सीएम अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के विदेश प्रवास और अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मुख्य सचिव सहित उनकी मंडली के 10 दिन लंबे विदेश दौरे से क्या हासिल हुआ है, प्रदेश की जनता को जानने का हक है।

शिव और नितिन ने ली BJP के नए पदाधिकारियों की क्लास

476 मंडल और 36 संगठन के पदाधिकारियों से चुनावी रणनीति पर चर्चा

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन की राजधानी रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में एक बड़ी बैठक हो रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीति तय करना है। वहीं इस मीटिंग में इस बैठक में प्रदेश भाजपा के सभी नए पदाधिकारियों को मार्गदर्शन मिलेगा।

इस संगठनात्मक कार्यशाला में भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन पदाधिकारियों को संगठन की दिशा, कार्य और जिम्मेदारियों को लेकर क्लास ले रहे हैं। इसमें प्रदेश नेतृत्व के वरिष्ठ नेता, 476 मंडल और 36 संगठन जिलों के अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष और प्रकोष्ठों के संयोजक शामिल हैं। बीजेपी नेताओं के अनुसार, बैठक पूरे दिन चली। इसमें शामिल पदाधिकारियों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने और इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रूपरेखा पर जोर दिया गया। बता दें कि इस बार संगठन ने कई मंडलों और जिलों में नए चेहरों को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। सिर्फ रायपुर ग्रामीण जिला ऐसा रहा, जहां पुराने अध्यक्ष को दोबारा मौका मिला है।

छत्तीसगढ़ के काशीनाथ...जिनके घर RSS प्रमुख भागवत ने किया भोजन

शहर सत्ता/ बिलासपुर/ रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में काशीनाथ गोरे के परिवार के साथ RSS प्रमुख मोहन भागवत ने भोजन किया। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत काशीनाथ गोरे स्मृति स्मारिका का विमोचन करने बिलासपुर आए थे। भागवत ने कहा कि जिस प्रकार दीये स्वयं जलकर रोशनी देता है, ऐसी ही तपस्या 100 साल से स्वयंसेवकों ने की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से दशकों से जुड़े बिलासपुर का गोरे परिवार संगठन के लिए निष्ठा और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इस परिवार ने नौकरी छोड़ने जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद संघ का साथ नहीं छोड़ा। छत्तीसगढ़ में संघ को मजबूत नींव दी। संघ प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को परिवार के घर भोजन किया।

बता दें कि काशीनाथ गोरे के पिता यशवंत नरहर गोरे, बड़े पिता और चाचा तीनों संघ से जुड़े थे। सक्रिय भूमिका निभाते रहे। पिता रेलवे की नौकरी में थे, लेकिन जब कांग्रेस सरकार के दबाव और प्रताड़ना के चलते नौकरी खतरे में आई, तो उन्होंने रेलवे की स्थायी नौकरी छोड़ दी। परिवार का गुजारा किराना दुकान से हुआ, लेकिन संघ का काम जारी रहा।

डबल इंजन सरकार की दुर्भावना से छत्तीसगढ़ में खाद संकट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गहराते उर्वरक संकट को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि धान का कटोरा कहलाने वाला छत्तीसगढ़ आज अभूतपूर्व खाद संकट से जूझ रहा है और इसके लिए पूरी तरह केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। वर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार की दुर्भावनापूर्ण नीतियों, खाद सब्सिडी में कटौती, उर्वरक क्षेत्र के निजीकरण और नियंत्रण मुक्त करने के कारण आज किसान खाद के लिए तरस रहे हैं। किसानों ने खरीफ सीजन से तीन महीने पहले ही सोसाइटियों के माध्यम से खाद की मांग सरकार तक पहुंचा दी थी, लेकिन सरकार न तो समय पर रैक की व्यवस्था कर पाई और न ही भंडारण। उन्होंने कहा कि इस समय फसल की वृद्धि का निर्णायक दौर है, लेकिन खाद नहीं मिलने से उत्पादन पर संकट खड़ा हो गया है। सरकारी समितियों के गोदाम खाली हैं, किसान सुबह से शाम तक कतार में लगकर खाली हाथ लौट रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में जमाखोर और बिचौलिये किसानों को खुलेआम लूट रहे हैं। वर्मा ने दावा किया कि 1350 रुपये का डीएपी खुले बाजार में 2000 रुपये तक बिक रहा है, वहीं 266 रुपये का यूरिया 1000 से 1200 रुपये तक किसानों को बेचा जा रहा है।

भूपेश का आरोप 'कवर्धा सदन' में कैदियों से कराई गई मजदूरी

फरार कैदी की घटना को दबाने की कोशिश कर रहा प्रशासन,जांच की मांग

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गृहमंत्री विजय शर्मा पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि, विजय शर्मा ने रायपुर में बन रहे कवर्धा सदन का निर्माण कार्य में जेल के कैदियों से मजदूरी कराई। सजा काट रहा एक कैदी जेल से बाहर लाकर काम में लगाया गया और वहीं से फरार हो गया। भूपेश बघेल ने कहा कि, प्रदेश में अब तक जो भी मुख्यमंत्री रहे, उनके मिलने-जुलने वालों के लिए 'सदन' बनाए गए हैं। जैसे मरवाही सदन, राजनांदगांव सदन, पाटन सदन और अभी कुनकुरी सदन। लेकिन किसी मंत्री के लिए सदन बनाने की परंपरा कभी नहीं रही। पहली बार गृहमंत्री ने 'कवर्धा सदन' बनवाया है।

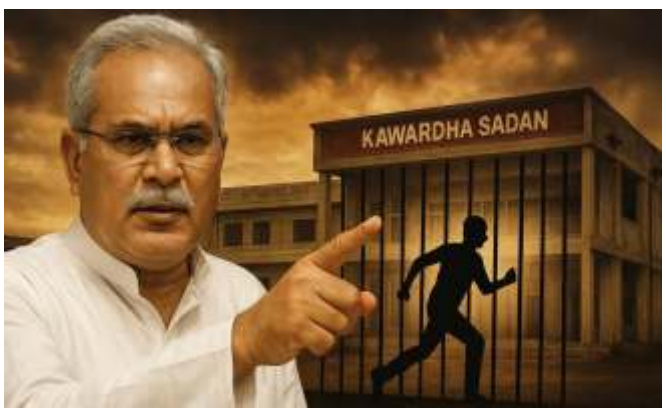

न्यायिक जांच की मांग

भूपेश बघेल ने कहा कि यह मामला साधारण नहीं है। कैदियों को जेल से बाहर लाना, उनसे मजदूरी कराना और फिर फरार हो जाना... यह सामान्य घटना नहीं है। इसमें गृहमंत्री और जेल मंत्री के दफ्तर की संलिप्तता साफ दिख रही है। जेल अधीक्षक और प्रशासनिक अफसरों की भूमिका भी संदिग्ध है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराई जाए। उनका आरोप है कि प्रशासन इस घटना को दबाने की कोशिश कर रहा है और गृह मंत्री अब तक इस पर खामोश हैं।

भूपेश ने किये सुलगते सवाल

- बिना कोर्ट की अनुमति के कैदी को जेल से बाहर किस अधिकार के तहत लाया गया?
- गृह मंत्री के कवर्धा सदन में कैदियों से काम कराने का आदेश किसने दिया?
- कैदी के फरार होने की जिम्मेदारी किसकी है और अब तक क्या कार्रवाई हुई?

मर्दापाल व बयानार में विकास कार्यों की बही गंगा

मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न कार्यों का किया भूमिपूजन

शहर सत्ता/रायपुर। वन मंत्री कश्यप ने क्षेत्रवासियों को 01 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। जिसके तहत मर्दापाल के उसलीपारा के पास 6 लाख रूपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य, ग्राम हथकली में मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना अंतर्गत 5 लाख रूपए की लागत से आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला मूलनार में 16 लाख रूपए की लागत से अहाता निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत मटवाल में 6 लाख रूपए की लागत से आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य, प्राथमिक शाला गदन तरई में 16 लाख रूपए की लागत से अहाता निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत पदनार में 6 लाख रूपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार बयानार क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोंगेरा में 6 लाख रूपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य, ग्राम मड़ागांव बावड़ी-चमाईपारा में 10 लाख 99 हजार रूपए की लागत से 02 आर सीसी स्लैब कल्वर्ट निर्माण कार्य, ग्राम चेमा में 5 लाख 49 हजार रूपए की लागत से स्पॉन पुलिया निर्माण कार्य और ग्राम तोड़म में 23 लाख 51 हजार की लागत से 5 बाजार शेड निर्माण कार्य, सीसी कार्य एवं गार्बेज डिस्पोजल कार्य का भूमिपूजन शामिल है।

इन कार्यों की घोषणा

मर्दापाल में मिनी स्टेडियम निर्माण, पंचायत भवन के पास रंगमंच निर्माण, मध्यमिक शाला मर्दापाल के लिए वाद्ययंत्र बैड पार्टी प्रशिक्षण एवं समाग्री व्यवस्था, कांगा-पुसपाल पुलिया निर्माण, गोलावंड से हगवा रोड कुरुलुबहार नाला में पुलिया निर्माण, महिषासुर महिला मंडली के लिए वाद्ययंत्र सामाग्री व्यवस्था, स्वास्थ्य केन्द्र भवन से मुख्य मार्ग मर्दापाल के लिए सीसी रोड निर्माण एवं किचन शेड निर्माण की घोषणा की। बयानार में जोगी आलवाड में माता गुड़ी निर्माण, गणेश मंदिर राजबेड़ा के लिए मंदिर निर्माण के लिए 20 लाख की स्वीकृति, स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में भूमि का समतलीकरण, बयानार में खेल मैदान समतलीकरण की घोषणा की गई।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, 14 ट्रैक्टर जब्त

रायपुर। अवैध रेत उत्खनन पर रोकथाम के लिए सतत कार्यवाही की जा रही है। नदी में भारी संख्या में ट्रैक्टर लगाकर रेत उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर टीम के पहुंचने पर मौके नदी तट पर लगभग 14 ट्रैक्टर रेत से भरे जा रहे थे और उत्खनन कार्य में 100 से अधिक श्रमिक सक्रिय थे। अवैध रेत उत्खनन वालों के विरूद्ध पर्यावरण संरक्षण और कानून व्यवस्था के मद्देनज़र कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। जिला बलरामपुर-रामनुजगंज के विकासखंड शंकरगढ़ के डीपाडीह कला क्षेत्र में गलफुल्ला नदी से हो रहे अवैध रेत खनन पर राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुसमी ने जानकारी दी है कि गलफुल्ला नदी में भारी संख्या में ट्रैक्टर लगाकर रेत उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल संयुक्त दल का गठन किया। जिस पर नायब तहसीलदार शंकरगढ़ और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात कराया गया था। टीम के पहुंचने पर मौके पर पाया गया कि नदी तट पर लगभग 14 ट्रैक्टर रेत से भरे जा रहे थे और उत्खनन कार्य में 100 से अधिक श्रमिक सक्रिय थे। थाना प्रभारी ने संयम और सूझबूझ से कार्य करते हुए पहले श्रमिकों की भीड़ को शांतिपूर्वक हटाया।

लोक सेवा आयोग ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर उठाए गए सवालों को किया खारिज

निष्पक्षता और गोपनीयता बनाए रखने का दिया भरोसा

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2024 के मूल्यांकन को लेकर कुछ न्यूज वेबपोर्टल्स में प्रकाशित खबरों पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने कड़ी आपत्ति जताई है। आयोग ने कहा है कि 03 मूल्यांकनकर्ताओं के नाम उजागर कर परीक्षा प्रक्रिया पर प्रश्न उठाने का प्रयास किया गया, जबकि आयोग निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित मूल्यांकन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र, प्रश्न और उप-प्रश्नों के मूल्यांकन हेतु बड़ी संख्या में विषय-विशेषज्ञों को आहूत किया जाता है। साथ ही मूल्यांकन की प्रक्रिया कई स्तरों पर जांच से गुजरती है और इसमें गोपनीयता बनाए रखना सभी की बाध्यता है।

आयोग का मानना है कि कुछ व्यक्तियों ने व्यक्तिगत द्वेष की भावना से मूल्यांकनकर्ताओं, जो एक ही संस्था में कार्यरत हैं, को निशाना बनाकर जानबूझकर आयोग की प्रक्रिया को संदिग्ध ठहराने का प्रयास किया है। आयोग ने कहा कि वह अपने संवैधानिक दायित्वों और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बाढ़ प्रभावितों की मदद में जुटा प्रशासन

क्षति की सर्वे सूची तैयार, प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित

शहर सत्ता/रायपुर। दंतेवाड़ा में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर बचाव और राहत कार्य किया जा रहा है। प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की जा रही है। पेयजल स्रोतों का क्लोरिनेशन और हैण्डपम्प का संधारण किया जा रहा है। बाढ़ से हुई क्षति का सर्वे सूची तैयार कर ली गई है। प्रभावितों को मदद के लिए कर्मचारी संगठन, निजी बैंक और स्वयं सेवी संस्थाएं भी आगे आ रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाकों में खाद्यान्न सामग्री सहित अन्य दैनिक जरूरत की वस्तुओं के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। भटटी पारा वार्ड क्रमांक 04 एवं 05 में विधायक श्री चैतराम अटामी द्वारा 64 अतिवृष्टि प्रभावित परिवारों को राशन किट सहित कंबल, कपड़े इत्यादि जरूरत के सामान का वितरण किया गया। तटीय क्षेत्र चूड़ी टिकरापारा देर रात्रि राहत सामग्री यथा सुखा राशन कपड़े कंबल इत्यादि बांटे गए।

एक्सिस बैंक द्वारा आपदा प्रभावितों के लिए भेजी गई राहत सामग्री टिकरापारा सहित शनि मंदिर क्षेत्र में वर्षा प्रभावितों को राहत सामग्री तथा अन्य दैनिक जरूरत की वस्तुओं को वितरित किया गया।

केशकाल जंगल से अवैध परिवहन करते सागौन की लकड़ी जब्त

शहर सत्ता/रायपुर। वन विभाग द्वारा वनों की अवैध कटाई व तस्करी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में केशकाल वनमंडल के परिक्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत परिसर विश्रामपुरी में 28 अगस्त को पुलिस विभाग की टीम द्वारा गश्ती के दौरान जंगल से अवैध रूप से कटा हुआ सागौन लट्ठा पाया गया। बरामद लकड़ी को वाहन क्रमांक सीजी 03-9778 में थाना विश्रामपुरी लाकर वन विभाग को सूचना दी गई।

वनकर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर लकड़ी की नापजोख एवं जब्ती की कार्यवाही की। इस संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त किए गए कुल 11 नग सागौन लट्ठा (1.553 घन मीटर) को रक्षक विश्रामपुरी परिसर के सुपुर्द किया गया। उक्त लकड़ी को पुलिस विभाग के वाहन से ही कार्टिंग चालान के तहत उपभोक्ता डिपो केशकाल के लिए रवाना किया गया।

डिप्टी सीएम शर्मा, बोले- महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना कार्यक्रम का लक्ष्य

पूरे प्रदेश में 'दीदी के गोठ' का प्रसारण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की नई पहल 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम का आज प्रदेशभर में प्रसारण किया गया। दोपहर 12.15 बजे आकाशवाणी रायपुर सहित सभी आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित हुए इस विशेष कार्यक्रम को पूरे प्रदेश में उत्साहपूर्वक सुना गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा की प्रेरणादायी शुभकामनाएँ एवं मार्गदर्शन भी प्रसारित किया गया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा जिले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं के साथ सामूहिक श्रवण किया। उन्होंने कहा कि इस मंच से साझा की जाने वाली सफलता की कहानियाँ अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा की प्रेरणादायी शुभकामनाएँ एवं मार्गदर्शन भी प्रसारित किया गया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा जिले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं के साथ सामूहिक श्रवण किया। उन्होंने कहा कि इस मंच से साझा की जाने वाली सफलता की कहानियाँ अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी।

कार्यक्रम को लेकर प्रदेशभर में विशेष तैयारी रही। वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न जिलों में पहुँचे और महिलाओं के साथ सामूहिक श्रवण में शामिल हुए। पंचायत विभाग के सचिव भीम सिंह गरियाबंद, विशेष सचिव धर्मेश साहू जांजगीर, मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा धमतरी और पंचायत विभाग की संचालक प्रियंका महोबिया दुर्ग में समूह की महिलाओं के साथ मौजूद रहे। वहीं रायपुर के सेरीखेड़ी स्थित समुदाय प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में 'दीदी के गोठ' का संकुल स्तरीय प्रसारण हुआ, जहाँ वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

सिल्वर स्क्रीन के चॉकलेटी हीरो आयुष

- नई फ़िल्म "मोला लव होगे" की शूटिंग में व्यस्त हैं आयुष
- रंगभूमि से लेकर सिल्वर स्क्रीन तक का सफ़र किया तय

क्रांति शर्मा की आगामी फ़िल्म में आयुष डबल रोल निभाएंगे

पक्की उम्र और पके चेहरों वाले छत्तीसगढ़ सिनेमा जगत (छालीवुड) में एक तरोताजा चाकलेटी हीरो की एंट्री हो चुकी है। "होनहार बीरवान के होत चिकने पात" वाली कहावत 'आयुष' जैसे युवा अभिनेता पर फिट बैठती है। कम उम्र, परिपक्व अभिनय, मखमली आवाज़ और कुशाभाऊ पत्रकारिता विश्वविद्यालय जैसी नामचीन संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बीएससी.कर रहे आयुष राजवैद्य छत्तीसगढ़ी फिल्म प्रेमियों को रिझाने बड़े परदे पर आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ की रंगभूमि से लेकर सिल्वर स्क्रीन तक का सफ़र तय कर रहे आयुष राजवैद्य आज मेहनत, लगन और जुनून के साथ साबित कर रहे हैं कि अगर सपनों को जीने की हिम्मत हो तो सफलता की राह खुद-ब-खुद बनती है।

आयुष अपनी नई फ़िल्म "मोला लव होगे" की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ी सिनेमा जगत में उन्हें लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के रंगमंच से निकलकर फ़िल्मी दुनिया में कदम रखने वाले युवा कलाकार आयुष राजवैद्य इन दिनों सुर्ख़ियों में हैं। अभिनय की बारीकियाँ उन्होंने सुप्रसिद्ध रंग निर्देशक राजकमल नायक से सीखीं और उनके नाटकों से ही अपने अभिनय की शुरुआत की। नाटकों के अनुभव ने आयुष को वह मज़बूत आधार दिया, जिसने आगे चलकर उन्हें टीवी विज्ञापनों और फ़िल्मों तक पहुँचाया। आयुष के करियर को नई दिशा तब मिली जब जशपुर में राजकमल नायक के निर्देशन में प्रस्तुत कविताओं के नाट्य मंचन को सोशल मीडिया पर तरुण बघेल और विक्रम सिंह ने देखा। उन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें नए कलाकार की तलाश कर रहे फ़िल्म निर्देशक क्रांति शर्मा तक पहुँचाया।

रंगमंच के साथ-साथ आयुष ने कई टीवीसी (विज्ञापनों) में काम किया और छत्तीसगढ़ के नामी रंग निर्देशकों के साथ लगातार नाट्य मंचन कर अपने अभिनय को निखारते रहे। वर्तमान में वे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बी.एस.सी. कर रहे हैं, लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ उनका ध्यान अपने बड़े लक्ष्य पर है – एक सफल अभिनेता के रूप में पहचान बनाना।

आयुष के अभिनय से प्रभावित हुए क्रांति शर्मा

"जिनगी पहा जाहि तोर संग" में उन्हें हीरो के रूप में साइन कर लिया। खास बात यह है कि इस फ़िल्म में आयुष डबल रोल निभा रहे हैं। फ़िल्म की शूटिंग कोरबा और बालको के खूबसूरत लोकेशनों पर की गई है। फ़िल्म की निर्मात्री क्षमा पाटले हैं। छत्तीसगढ़ की रंगभूमि से लेकर सिल्वर स्क्रीन तक का सफ़र तय कर रहे आयुष राजवैद्य आज मेहनत, लगन और जुनून के साथ साबित कर रहे हैं कि अगर सपनों को जीने की हिम्मत हो तो सफलता की राह खुद-ब-खुद बनती है।

'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुटीं कंगना

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'इमरजेंसी' की असफलता के बाद अब कंगना 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुट गई हैं। पहले 'क्वीन 2' की बात करते हैं, जिसके निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। फिल्म की कहानी लिखकर तैयार हो चुकी है।

अभिनेत्री कंगना रनौत को पिछली बार फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मुंह के बल गिरी। आने वाले समय में कंगना एक से बढ़कर एक फिल्मों में अभिनय करती नजर आएंगी, जिसमें 'क्वीन' का सीक्वल और 'तनु वेड्स मनु' की तीसरी किस्त शामिल हैं। अब 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' को लेकर धांसू अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'इमरजेंसी' की असफलता के बाद अब कंगना 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुट गई हैं। पहले 'क्वीन 2' की बात करते हैं, जिसके निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। फिल्म की कहानी लिखकर तैयार हो चुकी है। इसकी शूटिंग भारत और विदेशों में होगी। 'क्वीन' के सीक्वल की शूटिंग इस साल नवंबर में शुरू होगी और यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'बागी 4' में नजर आएंगे। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्हें 'भजरंगी' और 'वेधा' जैसी कन्नड़ फिल्मों के लिए जाना जाता है। इस फिल्म में संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बावजा भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अब निर्माताओं ने 'बागी 4' का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें संजय, टाइगर, सोनम और हरनाज का खौफनाक अवतार दिख रहा है। सामने आए पोस्टर में संजय, टाइगर, सोनम और हरनाज को खून से लथपथ देखा जा सकता है। 'बागी 4' का ट्रेलर रिलीज हुआ, वहीं यह फिल्म 5 सितंबर को दर्शकों के बीच आएगी।

तेजा की 'मिराई' अगले माह होगी रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता तेजा सज्जा पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'मिराई' को लेकर चर्चा

में बने हुए हैं। इस एक्शन एडवेंचर फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कार्तिक गट्टामनेनी ने संभाली है। अब निर्माताओं ने फिल्म 'मिराई' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें तेजा जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। 12 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म 'मिराई' में मांचू मनोज, रितिका नायक, श्रिया सरन, जयराम, जगपति बाबू, राजेंद्रनाथ जुत्शी, पवन चोपड़ा और तनजा केलर जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'बिग बॉस 19': कौन हैं कुनिका सदानंद जिनके समर्थन में उतरी गौहर खान

मुंबई। सलमान खान की मेजबानी वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के घर में बहस और टकराव का माहौल बना हुआ है। शो में पहले दिन से ही झगड़े और तकरार देखने को मिल रहे हैं। चिग बॉस 19' के घर में एक ऐसी प्रतियोगी हैं. जिनसे हर किसी की बहस हो जाती है और वो हैं कुनिका सदानंद। अब 'बिग बॉस 7' की विजेता गौहर खान ने कुनिका का समर्थन किया है। वो तुम्हारी मां की उम्र की है गौहर जौहर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, कुनिका सदानंद के लिए बुरा लग रहा है। सब लोग बदतमीजी

करके चले जाते हैं। वो तुम्हारी मां की उम्र की हैं। थोड़ी दया करो... मुझे लगता है कि हर कोई उनके लहजे को गलत समझ रहा है। गौहर के अलावा कई सोशल मीडिया यूजर्स भी कुनिका का समर्थन कर रहे हैं। उनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

कुनिका एक भास्तीय अभिनेत्री, अधिवक्ता, निर्माता और सामाजिक कार्यकर्ता है। अभिनेत्री होने के साथ-साथ वह एक गायिका भी है। उन्होंने 1996 में 'लाखों में एक और 2002 में 'कुनिका नामक पॉप एल्चम जारी किए थे।

'हाटक' से सामने आई पहली झलक

मुंबई। अभिनेत्री अदा शर्मा को पिछली बार फिल्म 'तुमको मेरी कसम में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह मुंह के बल गिरी। अब अदा क्राइम थ्रिलर फिल्म हाटक में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान अजय के शर्मा ने संभारली है। इस फिल्म के जरिए वह निर्देशन की दुलिया में कदम रख रहे हैं। आखिरकार 'हाटक' से अदा की पहली झलक सामने आ गई है. जिसमें उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है। 'हाटक' के मोशन पोस्टर में अदा हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। उनके किरदार का नाम शिवरंजनी आचार्य है। अदा ने इंस्टाखाम पर मोशन पोस्टर साझा करते हुए लिखा- 'हाटक एक डकैती, बिना रहम के। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। आप सबका आशीर्वाद चाहिए।

विघ्नहर्ता के अनूठे स्वरूप

रायपुर में धूमधाम से गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। अलग-अलग थीम पर कई गणेश पंडाल बनाए गए हैं।अलग अलग थीम पर गणेश जी की प्रतिमा और पंडाल तैयार किए गए हैं। लाखे नगर में इस बार गणपति बप्पा की अनोखी प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां बप्पा की आंखों की पलकें खुलती और बंद होती है। इसके लिए प्रतिमा के अंदर मोटर फिट की गई है। प्रतिमा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जनरेट किया गया है।

सुई-धागा-बटन, सुपारी और चंदन के बप्पा इनोवेशन से बदला मूर्ति निर्माण का ट्रेंड

राजधानी में बप्पा की धूम मची हुई है। मूर्तियों में इनोवेशन भी देखने लायक है। शहर के कुछ स्थानों पर बप्पा की लीक से हटकर मूर्ति स्थापित हुई है। रामसागर पारा में चंदन की लकड़ी से मूर्ति गढ़ी गई है। डंगनिया में नकली रुपए और सुपारी की मूर्ति विराजी है। रायपुरा में 6 सदस्यीय यादव परिवार 27 साल से अनोखी मूर्तियां बना रहा है। शिवचरण यादव ने बताया, मुझे मूर्तियां बनाने में रुचि थी। लोगों को मेरा काम पसंद आया, इसलिए मैं और मेरा परिवार इसमें रम गया है। पंडरी कपड़ा मार्केट में इस बार सुई-धागा-बटन थीम पर मूर्ति विराजी है। शिवचरण ने बताया, हमने कपड़ा मार्केट को ध्यान में रखकर यह मूर्ति बनाई है। एक हाथ में स्केल, दूसरे हाथ में टेप है, जबकि मोदक की जगह धागे की गड्डी है। बप्पा का चेहरा बटन से बनाया गया है। इसमें लगभग 4 हजार धागे की गड्डियां और 6 हजार बटन हैं।

गणपति बप्पा को चढ़ा 75 लाख का स्वर्ण मुकुट

गणेश चतुर्थी पर बुधवार को गोलबाजार स्थित श्री सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट और श्री बजरंग नवयुवक गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित पूजन उत्सव में भक्तों ने आस्था की अनूठी मिसाल पेश की। गणपति बप्पा को नवरत्न जड़ित 750 ग्राम सोने का मुकुट अर्पित किया गया, जिसकी कीमत लगभग 75 लाख रुपये आंकी गई है। वहीं जयपुर के सांवरिया सेठ को तीन किलो चांदी भेंट की गई। उत्सव का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधिवत पूजन कर किया। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक सुनील सोनी भी मौजूद रहें। समारोह का संचालन करते हुए सहकारी बैंक अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने बताया कि यह परंपरा 1885 से निरंतर चल रही है। पूजन में आचार्य आकाश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा सम्पन्न हुई। पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

हाशिये में दिग्गज...

PCC vs BJP = BCC

कांग्रेस में कम और भाजपा में थोड़ा ज्यादा ही अनदेखी से अब पार्टी के दिग्गज संगठन के लिए 'मानव बम' जैसा खतरा बन गए हैं। खासकर मंत्री मंडल विस्तार के बाद यह बम कब, कहां और कैसे फटेगा इसका सियासी हलकों में अंदाज़ा लगाना शुरू हो गया है। इसी तरह कांग्रेस के सत्ता में रहते हुए और अब भी सिंहदेव जैसे नेता को पार्टी के लिए दोयम और भूपेश बघेल को नेतृत्व सौंपने का बयान जल्द ही गुल खिलायेगा। यह तो साफ हो गया है कि भाजपा में ढेर सारे लीडर हैं जो सियासी रेस के लिए अरबी नस्ल के घोड़े कहलाते हैं। लेकिन तरजीह मेवाती नस्ल को सौंपी गई है। फिर भी घोड़ों की अनदेखी पार्टी ने कर दी है तो खामियाजा भुगतना ही होगा। कमोबेश प्रदेश कांग्रेस में भी एक ही सियासी तुर्क है 'कका' जो पुरे परिवार के साथ किस्म-किस्म की सियासी चुनौतियों से अकेले जूझ रहा है। जबकि चुनाव में शिकस्त के बाद से ही खुद को सेपरेट कर लेने वाले संसाधनों से लैस 'महाराज' की गिनती प्रदेश कांग्रेस के सबसे काबिल नेता रविंद्र चौबे की नजर में दोयम बने हुए हैं। भाजपा-कांग्रेस की धुरी कहलाने वाले इन नेताओं की हरकतें आने वाले वक्त में जरूर गुल खिलाएंगी।

तेजी से बढ़ रही है भाजपा-कांग्रेस में दिग्गजों की नाराजगी

प्रदेश कांग्रेस में भूपेश बघेल ही एकमात्र पॉलटिकल फाइटर

चौबे के 'नेतृत्व' वाले बयान के बाद बैज, महंत, टीएस खफा

घर की कलह भूलकर कांग्रेस के अंदरूनी विवाद से खुश भाजपा

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने बीते दिनों एक बयान देकर बड़ा राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया। चौबे ने कहा था कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की राजनीति इन दिनों कांग्रेस के अंदरूनी विवाद और भाजपा के तंजों से गर्माई हुई है। भाजपा में खुद अनदेखी से सीनियर एमएलए खार खाये बैठे हैं। ऐसे में अंदरूनी नाराजगी को दुरुस्त करने के बदले भाजपा विपक्षी सियासत पर बयानवीर बन गई है। जबकि साय सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार में एक बार फिर सीनियरों की अनदेखी से आगबबूला नेता सार्वजनिक मंच में नमूना पेश कर रहे हैं।

भाजपा-कांग्रेस में पद, नेतृत्व और वरिष्ठों की अनदेखी से बराबर आग लगी हुई है। यह धीरे-धीरे इतनी घातक होगी कि वरिष्ठ मानव बम की भूमिका में होंगे और पार्टी संगठन भविष्य में कई तरह की चुनावी चुनौतियों से झुझते दिखेगा। विरोध, नाराजगी और अनदेखी का नमूना आगामी विधानसभा सत्र में भयंकर परिणाम वाला साबित होगा।

पीसीसी बनाम बीसीसी मजबूत ?

सियासी पंडितों के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ही प्रदेश कांग्रेस का एकमात्र चेहरा है जो बीजेपी को धूल चटा सकता है। पार्टी के युवा आदिवासी नेतृत्व पर पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे की टिपण्णी का राजनीतिक अर्थ निकलने बैठें तो लगेगा कि डॉ चरणदास महंत, टीएस सिंहदेव, अमरजीत भगत, शिव डहरिया जैसे नेता लायक नहीं है ? संसदीय कार्यों के पंडित वरिष्ठ नेता रविंद्र चौबे के इस बयान के बाद कांग्रेस में अन्तरकलह बढ़ गई है। लेकिन यह भूपेश के गुरु का प्रभाव कहें या फिर उनका सियासी रुआब कि पीसीसी(प्रदेश कांग्रेस कमेटी) को अब विपक्षी नेता भी बीसीसी (भूपेश कांग्रेस कमेटी)कहने लगे हैं।

रविंद्र चौबे के इस बयान से बवाल

छत्तीसगढ़ की राजनीति इन दिनों कांग्रेस के अंदरूनी विवाद और भाजपा के तंजों से गर्माई हुई है। पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने बीते दिनों एक बयान देकर बड़ा राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया। चौबे ने कहा था कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को करना चाहिए। उनके इस बयान के सामने आते ही कांग्रेस खेमे में हलचल तेज हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस मामले को गंभीर मानते हुए इसे दिल्ली हाईकमान तक ले जाने के संकेत दिए। इसके बाद चौबे ने अपने बयान से यू-टर्न ले लिया और सफाई दी है। चौबे की सफाई के बावजूद मामला शांत नहीं हुआ।

कांग्रेस में अन्तरकलह

रविंद्र चौबे को रडार में लेने की कोशिश पर लामबंदी शुरू। महंत से मिले चौबे की एकांत में चर्चा। महंत चौबे की मुलाकात बयान पर स्थिति की स्पष्ट जन्मदिन में कही गई बातों को गलत राजनीति संदर्भों में पेश किया गया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नेतृत्व विवाद, भाजपा बोली-भूपेश भरोसा खो चुके:बैज-चौबे के बयानों पर भाजपा नेताओं ने कसा तंज, कांग्रेस ने कहा-पहले अपना घर संभालें

घर बचाने के बदले कांग्रेस मुद्दा बनी

घर की कलह छोबी बीजेपी भी अब कांग्रेसी बयानबाजी में कूद पड़ी है। कांग्रेस के इस विवाद को भाजपा ने एक बड़ा मुद्दा बना लिया है। भाजपा नेताओं ने हर मंच पर कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई को जनता के सामने उठाना शुरू कर दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि भूपेश बघेल अब कांग्रेस के भीतर भरोसा खो चुके हैं, तभी उनके अपने नेता ही उन्हें नेतृत्व देने या हटाने जैसी बात कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि यह कांग्रेस की दिशा और दशा दोनों की पोल खोलने वाला प्रकरण है।

कांग्रेस बोली भाजपा अपनी अन्तरकलह देखे

भाजपा नेताओं के बयानों पर कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि सूप तो सूप, अब 72 छेद वाली चलनी भी आवाज कर रही है। भाजपा नेताओं को अपनी पार्टी के बारे में सोचना चाहिए। जिस प्रकार से विधायक अजय चंद्राकर ने भाजपा के सम्मान कार्यक्रम में गमछा और मोमेंटो फेंक दिया, साय सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कई भाजपा नेता नहीं पहुंचे। संगठन विस्तार के बाद कई नेता और कार्यकर्ता नाराज फूफा की भूमिका में हैं। भाजपा नेताओं को इन सबको संभालना चाहिए।

भाजपा सांसद महेश कश्यप का पलटवार

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कांग्रेस में PCC vs BCC चल रहा है। PCC मतलब प्रदेश कांग्रेस कमेटी और BCC भूपेश कांग्रेस कमेटी। कांग्रेस की रीति संवाद नहीं विवाद की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।